

शिव जी को आरतों: ॐ जय शिव ओंकारा

पद 1

ॐ जय शिव ओंकारा, स्वामी जय शिव ओंकारा।
ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव, अर्द्धांगी धारा॥

पद 2

एकानन चतुरानन पंचानन राजे।
हंसासन गरुड़ासन वृषवाहन साजे॥

पद 3

दो भुज चार चतुर्भुज दसभुज अति सोहे।
त्रिगुण रूप निरखते त्रिभुवन जन मोहे॥

पद 4

अक्षमाला वनमाला मुण्डमाला धारी।
चंदन मृगमद सोहै, भाले शशिधारी॥

पद 5

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघम्बर अंगे।
सनकादिक गरुणादिक भूतादिक संगे॥

पद 6

कर के मध्य कमण्डलु, चक्र त्रिशूलधारी।
सुखकारी दुखहारी जगपालन कारी॥

पद 7

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका।
प्रणवाक्षर मध्ये ये तीनों एका॥

पद 8

त्रिगुणस्वामी जी की आरती, जो कोई नर गावे।
कहत शिवानन्द स्वामी, मनवांछित फल पावे॥